वर्ष : 2021-22

पाठ्यक्रम विवरण : (जुलाई-नवम्बर 2021)

पाठ्यक्रम : बी.ए.हिंदी (विशेष)

सत्र : 5

पेपर : अस्मितामूलक विमर्श और हिन्दी साहित्य

शिक्षक : डॉ. राजीव रंजन निराला

पाठ्यक्रम

इकाई 1 : विमर्शों की सैद्धांतिकी

- दलित विमर्श: अवधारणा और आंदोलन फूले और अंबेडकर
- स्त्री विमर्श : अवधारणाएँ और मुक्ति आन्दोलन (पाश्चात्य और भारतीय)
  रेडिकल, मार्क्सवादी, उदारवादी आदि यौनिकता,लिंगभेद, पितृसत्ता, समलैंगिकता
- आदिवासी विमर्श :अवधारणा और आन्दोलन
  जल जंगल ज़मीन और पहचान का सवाल

इकाई 2: विमर्श मूलक कथा साहित्य :

- ओमप्रकाश वाल्मीकि – सलाम
- हरीराम मीणा- धूणी तपे तीर, पृष्ठ संख्या 158-167
- नासिरा शर्मा-खुदा की वापसी

इकाई 3: विमर्शमूलक कविता :

(क) **दलित कविता**: अछूतानंद (दलित कहाँ तक पड़े रहेंगे), नगीना सिंह (कितनी व्यथा), माता प्रसाद (सोनवा का पिंजरा)

(ख) **स्त्री कविता:** कीर्ति चौधरी (सीमा रेखा) , कात्यायनी (साथ भाइयों के बीच चम्पा), सविता सिंह (मैं किसकी औरत हूँ ?)

इकाई-4 :विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएँ :

- 1.प्रभा खेतान,वरिष्ठ 28-42 :अन्या से अनन्या तक
- 2.तुलसीराम मुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारंभ,प्रष्ठ संख्या 125 से 135)
- 3.महादेवी वर्मा: स्त्री के अर्थ स्वातंत्र्य का प्रश्न

पाठ्यक्रम विवरण :

भारतीय समाज में स्थित विभिन्न अस्मिताओं की जानकारी प्राप्त होगी। व्यक्ति और समाज के संबंध के बारे उचित ज्ञान प्राप्त होगा। स्त्री, दलित और आदिवासी विमर्श की सैद्धांतिक समझ बढ़ेगी। इन विमर्शों के प्रति संवेदनशीलता में विस्तार होगा। सजगता एवं जागरूकता बढ़ेगी। इन अस्मिताओं पर आधारित साहित्यिक रचनाओं के अध्ययन से व्यावहारिक समझ का विकास होगा।

शिक्षण समय : 16 सप्ताह (लगभग)

कक्षाएं : विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार सप्ताह में 5 दिन कॉलेज की समय-सारणी के अनुरूप कक्षाएं आयोजित की जाएंगी| विद्यार्थियों को विषय से सम्बंधित मूल और प्रमाणिक सहायक ग्रंथों की जानकारी देने के साथ-साथ अतिरिक्त पठन सामग्री भी प्रदान की जाएगी ।

इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरण :

सप्ताह	**विषय**
सप्ताह 1	विमर्शों की सैद्धांतिकी विवेचन और वर्णन
सप्ताह 2	दलित विमर्श : अवधारणा और आंदोलन फूले और अंबेडकर
सप्ताह 3	स्त्री विमर्श : अवधारणाएँ और मुक्ति आन्दोलन (पाश्चात्य और भारतीय)
सप्ताह 4	रेडिकल, मार्क्सवादी, उदारवादी आदि यौनिकता,लिंगभेद, पितृसत्ता, समलैंगिकता
सप्ताह 5	आदिवासी विमर्श : अवधारणा और आन्दोलन
सप्ताह 6	जल जंगल ज़मीन और पहचान का सवाल
सप्ताह 7	**पुनरावृत्ति एवं प्रथम असाइनमेंट**
सप्ताह 8	सलाम कहानी, खुदा की वापसी कहानी

सप्ताह 9	धूणी तपे तीर
सप्ताह 10	दलित कविताएँ-दलित कहाँ तक पड़े रहेंगे, कितनी व्यथा ,सोनवा का पिंजरा
सप्ताह 11	स्त्री कविताएँ -सीमा रेखा, सात भाइयों के बीच चम्पा,मैं किसकी औरत हूँ
सप्ताह 12	**पुनरावृत्ति एवं द्वितीय असाइनमेंट**
सप्ताह 13	आत्मकथा - अन्या से अनन्या तक
सप्ताह 14	आत्मकथा- मुर्दहिया
सप्ताह 15	निबंध-स्त्री के अर्थ स्वातंत्र्य का प्रश्न
सप्ताह 16	**कक्षा टेस्ट ,पुनरावृत्ति**

सम्बंधित पुस्तकें :

1.सिमोन द बोउवा-स्त्री उपेक्षिता

2.स्त्री अस्मिता,साहित्य और विचारधारा-सुधा सिंह

3.दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि

4.दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र -शरण कुमार लिंबाले

5.नारीवादी राजनीति-जिनी निवेदिता

6.आदिवासी अस्मिता का संकट – रमणिका गुप्ता

-

वर्ष : 2021-22

पाठ्यक्रम विवरण : (जुलाई-नवम्बर 2021)

पाठ्यक्रम : बी. कॉम,प्रोग्राम

सत्र : तृतीय

पेपर : हिंदी गद्य उद्भव और विकास, हिंदी 'ब **, MIL**

शिक्षक : डॉ.राजीव रंजन निराला

पाठ्यक्रम

इकाई 1 : हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय

इकाई 2 हिंदी गद्य उद्भव और विकास सामान्य परिचय

1) बूढ़ी काकी - प्रेमचंद

2) गुंडा - जयशंकर प्रसाद

3) उसने कहा था- बेचैन शर्मा उग्र

इकाई 3 :

1) मेले का ऊंट- बालमुकुंद गुप्त

2)इंग्लैंड और भारतवर्ष: भारतेन्दु

3)सदाचार का ताबीज़: हरिशंकर परसाई

इकाई 4:

1) अंधेर नगरी- भारतेन्दु

2) बिबिया - महादेवी वर्मा

पाठ्यक्रम विवरण

हिंदी की गद्य विधाओं से परिचय आधुनिक गद्य साहित्य की चिंतन और शैली जानने का मौका मिलेगा।गद्य में नाटक,एकांकी,निबंध आदि के लेखन की भी प्रेरणा मिलेगी।बच्चों में कहानी, नाटक ,उपन्यास को लेकर रुचि उत्पन्न होगी।

शिक्षण समय : 16 सप्ताह (लगभग)

कक्षाएं : विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुरूप सप्ताह में 5 दिन कक्षाएं आयोजित की जाएंगी। ट्यूटोरियल कक्षाओं में विद्यार्थियों के प्रश्नों और जिज्ञासाओं का निवारण किया जाएगा। सामूहिक चर्चा, विषय प्रस्तुति और असाइनमेंट द्वारा विद्यार्थियो की आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियों को पूर्ण किया जाएगा।साथ ही , सहायक ग्रंथों का परिचय देते हुए पठन सामग्री भी प्रदान की जाएगी।

इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरण :

सप्ताह	**विषय**
सप्ताह 1	हिंदी गद्य विधाओं का परिचय
सप्ताह 2	कहानी का परिचय
सप्ताह 3	निबंध का परिचय
सप्ताह 4	नाटक, एकांकी एवं रेखाचित्र का परिचय
सप्ताह 5	बूढ़ी काकी कहानी ,प्रेमचंद एवं कहानी का विश्लेषण
सप्ताह 6	गुंडा **कहानी का विवेचन और प्रसाद की कहानी कला का शिक्षण**
सप्ताह 7	उसने कहा था की समीक्षा और बेचैन का परिचय
सप्ताह 8	तीनो इकाइयों की पुनरावृत्ति
सप्ताह 9	बाल मुकुंद गुप्तका परिचय और उनके निबंध की समीक्षा
सप्ताह 10	भारतेंदु का परिचय और उनका निबंध
सप्ताह 11	भारतेंदु का परिचय का और उनका निबंध
सप्ताह 12	भारतेन्दु का परिचय और उनकी एकांकी की समीक्षा
सप्ताह 13	महादेवी वर्मा का परिचय और उनके रेखाचित्र का पाठ

सप्ताह 14	हरिशंकर परसाई जी का परिचय और उनके व्यंग्य की समीक्षा
सप्ताह 15	आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां
सप्ताह 16	परीक्षा से संबंधित सामूहिक चर्चा

सम्बंधित पुस्तकें :

- हिंदी का गद्य साहित्य:रामचंद्र तिवारी
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास: बच्चन सिंह
- निबंधों की दुनिया : निर्मला जैन,हरिमोहन शर्मा, विजयदेनारायण साही
- हिंदी रेखाचित्र: हरवंश लाल शर्मा
- निबंधों की दुनिया: निर्मला जैन, अनिल राय,शिवपूजन सहाय

अकादमिक सत्र : 2021-22

पाठ्यक्रम रूपरेखा : (जुलाई -नवम्बर 2021-22)

पाठ्यक्रम : बी. ए. विशेष

सत्र/सेमेस्टर : 1

पेपर/प्रश्न पत्र : हिंदी भाषा और सम्प्रेषण

शिक्षक : डॉ. राजीव रंजन निराला

कक्षा (प्रति सप्ताह) : 2

पाठ्यक्रम

इकाई 1 : भाषिक संप्रेषण : स्वरूप और सिद्धांत

(क) संप्रेषण की अवधारणा और महत्व

(ख) संप्रेषण की प्रक्रिया

(ग) संप्रेषण के विभिन्न मॉडल

(घ) अभाषिक सम्प्रेषण

इकाई 2 : संप्रेषण के प्रकार

(क) मौखिक और लिखित

(ख) वैयक्तिक, सामाजिक संप्रेषण और व्यावसायिक

(ग) भ्रामक संप्रेषण और प्रभावी संप्रेषण में अंतर

(घ) संप्रेषण में चुनौतियां एवं संभावनाएं

इकाई 3 :संप्रेषण के माध्यम

(क) एकालाप

(ख) संवाद

(ग) सामूहिक चर्चा

(घ) जनसंचार माध्यमों पर सम्प्रेषण : कंप्यूटर इन्टरनेट , ईमेल,ब्लॉग,वेबसाइट

इकाई 4: व्यक्तित्व और प्रभावी भाषिक सम्प्रेषण

(क) व्यक्तित्व और भाषिक अस्मिता – आयु,लिंग,वर्ग,शिक्षा

(ख) प्रभावी सम्प्रेषण के गुण- शुद्ध उच्चारण,भाषिक संरचना की समझ, भाषा व्यवहार, शब्द सामर्थ्य,शैली,सुर लहर , अनुतान,बलाघात

(ग) प्रभावी व्यक्तित्व के निर्माण में सम्प्रेषण की भूमिका

पाठ्यक्रम विवरण

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों का परिचय भाषिक संप्रेषण के स्वरूप एवं सिद्धांतों से होगा। विद्यार्थियों को संप्रेषण के विभिन्न माध्यमों की जानकारी होगी। प्रभावी संप्रेषण का महत्व जानने के साथ-साथ रोजगार संबंधी क्षेत्रों के विषय में भी उसकी उपयोगिता और जरुरत पर ध्यान दिया जाएगा।व्यक्तित्व को प्रभावी बनाने में सम्प्रेषण की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

शिक्षण समय : 16 सप्ताह (लगभग)

कक्षाएं :विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार सप्ताह में दिन कॉलेज के समय सारणी के अनुसार कक्षाएं आयोजित की जाएगी | इसमें 2 क्लास मेरे पास और 2 डॉ कवितेंद्र इंदु के पास होगा | मैं इकाई 1 और इकाई 2 पढ़ाऊंगा | विद्यार्थियों को विषय से सम्बंधित मूल और सहायक ग्रंथों की प्रमाणिक जानकारी देने के साथ-साथ व्यावसायिक जीवन में इसके प्रयोग के लिए मार्गदर्शन भी दिया जाएगा |

इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरण :

सप्ताह	**विषय**
सप्ताह 1	संप्रेषण की अवधारणा और महत्व
सप्ताह 2	संप्रेषण की अवधारणा और महत्व

सप्ताह 3	संप्रेषण की प्रक्रिया
सप्ताह 4	संप्रेषण के विभिन्न मॉडल
सप्ताह 5	संप्रेषण के विभिन्न मॉडल
सप्ताह 6	अभाषिक सम्प्रेषण
सप्ताह 7	मौखिक और लिखित
सप्ताह 8	वैयक्तिक और सामाजिक संप्रेषण
सप्ताह 9	व्यावसायिक संप्रेषण
सप्ताह 10	भ्रामक संप्रेषण और प्रभावी संप्रेषण में अंतर
सप्ताह 11	भ्रामक संप्रेषण और प्रभावी संप्रेषण में अंतर
सप्ताह 12	संप्रेषण में चुनौतियां एवं संभावनाएं
सप्ताह 13	संप्रेषण में चुनौतियां एवं संभावनाएं
सप्ताह 14	पुनरावृति
सप्ताह 15	पुनरावृति
सप्ताह 16	छात्रों द्वारा जमा किए गए असाइंमेंट के सकारात्मक और नकारात्मक पक्षों पर चर्चा तथा मुख्य परीक्षा के लिए उपयोगी सुझावों एवं मार्गदर्शन

सम्बंधित पुस्तकें :

- हिंदी का सामाजिक संदर्भ -रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- संप्रेषणपरक व्याकरण :सिद्धांत और स्वरूप -सुरेश कुमार
- भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका -विद्यानिवास मिश्र
- संप्रेषण :चिंतन और दक्षता- डॉ मंजू मुकुल

नोट – 1-प्रत्येक यूनिट में से एक असाइनमेंट प्रत्येक छात्र से लिया जाएगा और उस पर चर्चा के बाद दो असाइनमेंट का नंबर आंतरिक मूल्याङ्कन के लिये लगाया जाएगा ।

।